प्रकाशन तिथि : 01 सितम्बर, 2022
प्रेषण तिथि : 04 सितम्बर, 2022

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2021-23
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 26 | अंक 12 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रतिः रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

स्वार्थ के लिए सामाजिक सौहार्द नहीं बिगाड़ेंगे तो बनेगा मजबूत सात्विक संगठनः सरवड़ी

(वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर में संपन्न हुआ किसान सम्मेलन)

एक परिवार में एक पिता के जितनी संतान होती हैं वे सब आपस में बंधु होते हैं और हम भी एक ही पिता की संतान हैं, उस परमपिता की संतान हैं तो हममें भेद किस प्रकार का? हम एक ही परिवार के हैं, लेकिन भेद दिख रहा है। आज परिवारों में भी सभी आपस में लड़ रहे हैं, यह पाश्चात्य सभ्यताओं के संपर्क में आने के कारण है। उनका जो असर हमारे परिवार पर पड़ा है, वही हमारी सामाजिक व्यवस्था पर भी पड़ा है, लेकिन यदि इस बात को हम गहराई से समझ लें कि हम सभी उसी परम पिता परमेश्वर के अंश हैं तो कोई भेद की बात ही शेष नहीं रहती। ऐसा होने पर परस्पर सौहार्द भी स्वतः ही स्थापित हो जाएगा। भारत ने लोकतंत्र की व्यवस्था अपनाई और आज तक की सभी व्यवस्थाओं में लोकतंत्र की व्यवस्था सर्वाधिक शुद्ध और सात्विक व्यवस्था मानी जाती है। लेकिन इस श्रेष्ठतम व्यवस्था को भी हम ही बिगाड़ रहे हैं, दूसरा कोई नहीं। जब तक हम जातिगत अथवा दलगत आधार पर बंटे हुए हैं तब तक यह व्यवस्था सफल नहीं होगी। सबको एक करने की बात हम कर रहे हैं लेकिन वह पूरी तभी हो सकती है जब हम इस प्रकार का चिंतन करें कि हम सभी एक परमात्मा की संतान है। आज जो हम यह सौहार्द की बात कर रहे हैं, साथ मिलकर बैठने की बात कर रहे हैं, उसमें अभी समय लगेगा। आज सम्मेलन करते ही कल के कल सुधार नहीं आ जाएगा, लेकिन प्रयास करते रहेंगे तो परिणाम भी आएगे। प्रयास करना है और सोच समझ कर करना है। आज के युग में जितना सोच समझ कर आगे कदम बढ़ाया जाता है उतना ही परिणाम जल्दी आने की संभावना होती है। बिगाड़ तो बहुत जल्दी होता है, फिसलन में कोई भी चला जाता है, विध्वंस में तो बहुत कम समय लगता है लेकिन यदि सृजन करना हो तो उसमें बहुत समय, परिश्रम और संसाधन लगते हैं। वह समय, परिश्रम और संसाधन लगाने के लिए यदि हम तैयार हैं तो यह किसान सम्मेलन भी अवश्य सफल होंगे। उसके लिए संगठित शक्ति चाहिए। सात्विक लोग इकट्ठे हों, जो सत्य पर चलने वाले लोग हैं वे इकट्ठे हों और उनका संगठन बने तो उस संगठन में शक्ति होती हैं। सभी किसान भाई यदि यह सोचें कि हम एक ही ईश्वर की संतान हैं इसलिए हमको अपने आपको भी सुधारना है और मिलजुल कर देश के लिए कार्य भी करना है तो ऐसा संगठन अवश्य बनेगा। आज हम इस प्रकार का प्रण लें कि अपने व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए हम सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ेंगे नहीं तो धीरे-धीरे हमारा संगठन मजबूत बनेगा और उस संगठन में वह शक्ति होगी जिससे हमारी सारी मांगे भी पूरी होंगी। उपर्युक्त बात श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी ने वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर में 22 अगस्त को आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि कहा कि इस धरती को हम माता कहते हैं, जो हमें अन्न देती है, जो हम को जीवित रखती है उसको हम बिगाड़े नहीं। उसमें हानिकारक केमिकल्स डाल-डाल कर उसकी उर्वरा शक्ति को जो हम खराब कर रहे हैं उसको रोकना है। हमको प्रयास यह करना है कि भूमि की जैविक शक्ति को, उर्वरा शक्ति को बढ़ाना है, उसे उसकी प्राकृतिक स्थिति में लाना है, भले ही इसके लिए एक-दो वर्ष कम उपज से काम चलाना पड़े। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

अनवरत जारी है सांघिक साधना का व्यवहारिक प्रशिक्षण

(12 दिन में पांच राज्यों के 21 शिविरों में 2000 शिविरार्थियों ने लिया प्रशिक्षण)

श्री क्षत्रिय युवक संघ के शिविरों की श्रृंखला के तहत 11 से 22 अगस्त तक राजस्थान, गुजरात, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र व कर्नाटक राज्यों में विभिन्न स्थानों पर कुल 21 प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुए जिनमें तीन बालिका शिविर, दो बाल शिविर एवं सोलह बालकों के शिविर सम्मिलित हैं। इनमें लगभग 2000 शिविरार्थियों ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का प्राथमिक स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

जालौर संभाग के पाली प्रांत में बाली स्थित श्री उम्मेद राजपूत छात्रावास में एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 18 से 21 अगस्त तक आयोजित हुआ। केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने शिविर के अंतिम दिन शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि हमारी परंपरा कर्तव्यपालन की रही है, इन चार दिनों में हमने उसी अनूठी परम्परा के बारे में जाना, जिसमें लाभ-हानि की बात नहीं हुआ करती। हमने पूज्य तनसिंह जी रचित गीत गाया था - 'कदम तुम्हारे काँप रहे क्यूं नये युगो निमार्ता'। हम आज भी नये युगों के निर्माता बन सकते हैं यदि हम पुनः त्याग की उस परंपरा का पालन करें। यहां हमने जाना कि आज भी हममें जन-जन के मुक्ति प्रदाता बनने की संभावना है। शिविर में सम्भाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी व प्रान्त प्रमुख मोहब्बत सिंह धींगाना सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। चैन सिंह मालारी, सुरेन्द्र सिंह बडागुडा, गोपाल सिंह खिन्दावा, विनयपाल सिंह बामणिया, प्रवीण सिंह बिंठिया ने स्थानीय समाजबन्धुओं के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला। **(शेष पृष्ठ 2 पर)**

दुगार्दास के जीवन से लें समाज चरित्र की शिक्षाः सरवड़ी

(देशभर में श्रद्धापूर्वक मनाई राष्ट्रनायक दुगार्दास जी की 384वीं जयंती)

दुगार्दास जी एक आदर्श क्षत्रिय थे। आदर्श क्षत्रिय कौन होता है? गीता में क्षत्रिय के स्वभाव का वर्णन करते हुए भगवान कृष्ण कहते हैं -

'शौर्यं तेजो धृतिर्दाक्ष्यं युद्धे चाप्यपलायनम्।
दानमीश्वरभावश्च क्षात्रं कर्म स्वभावजम्।।'

ये सात गुण हैं और इस तरह के स्वभाव वाला ही सच्चा क्षत्रिय है। पहला गुण है - शौर्य। शौर्य का अर्थ सभी प्रकार का आक्रमण से लड़ने के लिए तैयार हो। पूर्ण तत्परता के साथ युद्ध करे, उसको कहते हैं शौर्य, शूरवीरता। दुर्गा दास जी के जीवन में 17 साल की उम्र में राज दरबार के राईके को रोकने की घटना हो, 20 साल की उम्र में धरमत के युद्ध में चार घोड़े मरने के बाद भी पांचवे घोड़े पर सवार होकर लड़ना हो या जमरूद के थाने पर जब जसवंत सिंह जी का देहांत हो गया तो वहां से शाही घेरे को तोड़कर रानियों को लेकर जाना हो, सभी दुगार्दास जी के अद्भुत शौर्य का प्रमाण है। दूसरा गुण है - तेज। तेज का अर्थ है जिसके प्रभाव से कोई भी गलत काम करने से डरता है और जो किसी दूसरे के प्रभाव में आकर दबता नहीं है। दुगार्दास जी का प्रभाव ऐसा था कि दुर्गादास जी के तेज के कारण कोई भी अजमेर का सूबेदार रहना पसंद नहीं करता था। तीसरा गुण है - धैर्य। 30 साल तक अपने उद्देश्य के लिए संघर्ष करना, वह भी बिना सेना के, बिना साधनों के। यह उनके धैर्य का ही प्रमाण है। फिर है - दक्षता अर्थात चतुरता। दुगार्दास जी से बड़ा चतुर कौन होगा कि औरंगजेब की सेना से चारों तरफ से घिरा होने के बावजूद भी अजीत सिंह जी को सुरक्षित निकाल लाए। औरंगजेब के पुत्र को भी उन्होंने अपने साथ मिला लिया। औरंगजेब की पूरी चौकसी होते हुए भी दुगार्दास जी अकबर को संभाजी के पास ले गए, वहां से ईरान पहुंचाया, यह उनकी अद्भुत दक्षता को सिद्ध करता है। **(शेष पृष्ठ 6 पर)**

अनवरत जारी है सांघिक साधना का व्यवहारिक प्रशिक्षण

(पेज एक से लगातार)

बोया, बडागुडा, बाली, फालना, खुण्डावास, बामणिया, बिंठीया, रामासिया, खिन्दावा, बीजापुर सहित बाली के आसपास के गांवों के 70 स्वयंसेवकों ने शिविर में प्रशिक्षण लिया। नागौर संभाग के लाडनूं प्रांत के डाबड़ी जोधा गांव में भी इसी अवधि में चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। शिविर का संचालन प्रांत प्रमुख विक्रम सिंह ढींगसरी ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि इन चार दिनों के अभ्यास को अपने जीवन में उतारने का माध्यम शाखा है और हमें नियमित रूप से संघ की शाखा में जाना चाहिए। शिविर में कोयल, निम्बी जोधा, छपारा, सांवराद, झेकरिया, तंवरा, भामास, डाबड़ी जोधा, खानपुर, जिंली, परावा, हीरावती, टालनियाउ, कसुंबी, रताऊ, ढींगसरी, तिपनी, पालोट, सींवा, गेडाप आदि गांवों के 55 युवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर गांव के बालाजी मंदिर में संचालित हुआ जिसकी व्यवस्था का जिम्मा विजेन्द्र सिंह डाबड़ी, बहादुर सिंह डाबड़ी ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर संभाला। नागौर प्रांत में श्री नागणेच्या माता जी मंदिर प्रांगण जोधियासी (जायल) में भी इसी अवधि में शिविर आयोजित हुआ। शिविर का संचालन करते हुए जब्बर सिंह दौलतपुरा ने शिविरार्थियों से कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ पारस पत्थर की भांति है। जो भी इस के संपर्क में रहेगा उसके जीवन में निखार अवश्य आएगा। लेकिन निरंतर संपर्क को बनाए रखने में हमारी सक्रियता भी आवश्यक है इसलिए शाखा एवं शिविर के माध्यम से अपने आप को संघ से जोड़ें रखें। शिविर में जोधियासी, गंठीलासर, बू करमसोता, चाउ, ऊंटवालिया, खेतास, आंवलियासर, जालनियासर, ढूंढिया आदि गांवों के 141 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। खेम सिंह ढुंढिया, कर्ण सिंह जोधियासी,अमर सिंह जोधियासी, श्रवण सिंह जोधियासी ने समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से व्यवस्था को संभाला। विदाई कार्यक्रम के बाद स्नेहमिलन कार्यक्रम रखा गया जिसमें स्थानीय विधायक मंजू देवी मेघवाल, पूर्व प्रधान ओमप्रकाश सैन, भंवर सिंह मकौडी सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे। अन्य वक्ताओं ने हीरक जयंती कार्यक्रम के अनुशासन और भव्यता की सराहना करते हुए श्री क्षत्रिय युवक संघ के साथ मिलकर कार्य करने की बात कही। अजमेर प्रांत के सरवाड़ में मालियों की धर्मशाला में भी चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 18 से 21 अगस्त तक आयोजित हुआ जिसमें जिलेभर से 80

स्वयंसेवकों ने भाग लिया। शिविर संचालक नरेन्द्र सिंह नरधारी ने शिविरार्थियों से कहा कि हमने क्षत्रिय कुल में जन्म लिया है तो हमें क्षत्रियोचित गुणों को भी जीवन में उतारना चाहिए तभी हम स्वयं को क्षत्रिय कहने के अधिकारी बनेंगे। संघ अपने शिविरों में उन्हीं गुणों को अभ्यास द्वारा हमारे व्यक्तित्व में ढाल रहा है। विदाई के दिन मिलन कार्यक्रम रखा गया जिसमें क्षेत्र के गणमान्य क्षत्रिय बंधु व संघ के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। माननीय संरक्षक महोदय श्री भगवान सिंह रोलसाबसर की प्रेरणा से सभी को यथार्थ गीता भेंट की गई। इसी अवधि में बाड़मेर संभाग के गुडामालानी प्रांत में सोढों की ढाणी, सुदाबेरी (धोरीमन्ना) में भी शिविर आयोजित हुआ। शिविर का संचालन करते हुए राजेंद्र सिंह भियाड़ (द्वितीय) ने कहा कि यहां पर आपको यह बोध कराया जाएगा कि दुर्लभ मानव देह एवं क्षत्रिय कुल में प्राप्त इस जीवन को किस प्रकार सार्थक किया जाए। आपको अपने कर्तव्य से, स्वधर्म से भी परिचित कराया जाएगा। आप जितने सजग रहेंगे उतना ही अधिक ग्रहण कर पाएंगे। शिविर में सोढों की ढाणी, सुदाबेरी, खारी, भाउडा, बूल, राणासर कला, भालीखाल, बूठ आदि गांवों के 85 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। स्वरूप सिंह खारी, महेंद्र सिंह सोढा की ढाणी, आईदान सिंह, भूर सिंह, इंद्र सिंह, स्वरूप सिंह आदि ने व्यवस्था में सहयोग किया। शेखावाटी संभाग में चुरू जिले के तोगावास गांव स्थित राजपूत धर्मशाला में 11 से 14 अगस्त तक शिविर का आयोजन हुआ जिसका संचालन किशन सिंह गौरीसर ने किया। उन्होंने अपने कर्तव्य को पहचान कर उसके पालन के लिए संघर्ष, त्याग और तप करने की बात कही। शिविर में तोगावास, भालेरी, कोहिणा, तारानगर, रेडी, राजपुरा, साहवा, गाजूसर, मितासर आदि गांवों के 134 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। नरेंद्र सिंह तोगावास, विक्रम सिंह, भगवान सिंह, भागीरथ सिंह, शिव सिंह, दिलीप सिंह, भैरु सिंह आदि ने अन्य ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। शिविर के दौरान 13 अगस्त को वीर दुगार्दास राठौड़ की जयंती भी मनाई गई जिसमें राजस्थान विधानसभा में प्रतिपक्ष नेता राजेन्द्र राठौड़, महंत सुरेंद्र सिंह, प्रधान विक्रम सिंह कोटवाद व अन्य गणमान्य लोगों द्वारा दुगार्दास की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए गए। बालोतरा संभाग में कल्याणपुर क्षेत्र के अंजनी माता मंदिर भाखरी में भी इसी अवधि में चार दिवसीय शिविर संपन्न हुआ। शिविर का संचालन करते हुए संभागप्रमुख मूल सिंह काठाड़ी ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ के संस्थापक पूज्य तनसिंह ने जिस उद्देश्य के लिए संघ की स्थापना की थी उस उद्देश्य को पूरा करने के लिए हमें उनके संदेश को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करना है। शिविर में कल्याणपुर, सिवाना, समदड़ी, बालोतरा एवं पाटौदी क्षेत्र के 125 स्वंयसेवकों ने प्रशिक्षण लिया।

उत्तरप्रदेश में बुंदेलखंड प्रान्त में चार दिवसीय बालिका शिविर महोबा स्थित माँ चन्द्रिका महिला महाविद्यालय में 13 से 16 अगस्त तक आयोजित हुआ। शिविर का संचालन करते हुए यशवीर कँवर बैण्याकाबास ने बालिकाओं से कहा कि नारी के भीतर सहनशक्ति, धैर्य, स्नेह आदि गुण परमात्मा ने दिए हैं लेकिन आज हम इन गुणों के महत्त्व को भूलते जा रहे हैं। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें इन गुणों का महत्व समझा रहा है और यहां इन शिविरों में इनका अभ्यास भी करवा रहा है। शिविर में महोबा, मकरबाई, अतरार माफ, खरेला आदि गांवों की बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। सतेंद्र सिंह, रविन्द्र सिंह करेला ने व्यवस्था में सहयोग किया। बुंदेलखंड प्रांत में ही बालकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर भी मटोन्ध जिला बाँदा, उत्तर प्रदेश में इसी अवधि में संपन्न हुआ। शिविर का संचालन केंद्रीय कार्यकारी महेन्द्र सिंह पांची ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि जो शिक्षण यहां लिया है उसे जीवन मे उतारें और स्वधर्म के साथ रहकर जीवन पथ पर चलें। शिविर में मटोन्ध, बाँदा, महोबा आदि क्षेत्रों के 50 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। डॉ. देवी सिंह, सुरेंद्र सिंह, हरिशरण सिंह ने ग्राम वासियों के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला। उसी दिन सायं 4 बजे स्थानीय लोगों के साथ स्नेहमिलन रखा गया जिसमें वर्तमान समय में संगठन की महत्ता और भविष्य में क्षेत्र में संघ के और अधिक शिविर लगाने पर चर्चा हुई। दिसम्बर में हरपालपुर में एक शिविर लगाने का प्रस्ताव रखा गया। महाराष्ट्र संभाग के बेंगलुरु प्रांत में राजपुताना

हाउस, चनपटना में 13 से 15 अगस्त तक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। शिविर संचालक जितेन्द्र सिंह देवली ने शिविरार्थियों से कहा कि प्रत्येक संगठन के लिये नियमपालन व अनुशासन अति आवश्यक है। श्री क्षत्रिय युवक संघ इन गुणों को व्यावहारिक प्रशिक्षण द्वारा स्वयंसेवक में विकसित करने का कार्य करता है जिससे वह स्वयंसेवक समाज को संगठित करने में सहयोगी बन सके। शिविर में 50 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। बालाजी सिंह चनपटना व हीर सिंह भाटी ने व्यवस्था में सहयोग किया। महाराष्ट्र संभाग के ही मुंबई प्रांत में पालघर जिले के भोपाली गांव में भी इसी अवधि में खेत सिंह चांदेसरा के संचालन में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ के संपर्क में आने से पहले के अपने जीवन और संघ के संपर्क में आने के बाद के जीवन को देखें और दोनों की ठीक ठीक प्रकार से तुलना करें और फिर जो आपको श्रेष्ठ लगे वो अपनाएं। शिविर में 106 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। व्यवस्था का जिम्मा विजय सिंह मलिकपुर व मनोहर सिंह पूरण ने संभाला। संभाग के सूरत प्रांत में कामरेज स्थित दादा भगवान मंदिर में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 13 से 16 अगस्त तक आयोजित हुआ। शिविर का संचालन करते हुए धर्मेंद्र सिंह आम्बली ने कहा कि क्षत्रिय समाज का इतिहास अत्यंत गौरवशाली है लेकिन महाभारत काल के बाद से हम पतन की ओर जा रहे हैं। जिस समाज के पतन में इतना लम्बा समय लगा हो उसके पुनरुत्थान में समय तो लगेगा ही। श्री क्षत्रिय युवक संघ वही कार्य कर रहा है।

विदाई के दिन मिलन कार्यक्रम रखा गया जिसमें प्रद्युम्नसिंह जाडेजा, मदनसिंह अटोदरिया,

विक्रमसिंह शेखावत ने भी अपने विचार रखे। दिलीप सिंह राठौड़, केयूर सिंह परमार, केतन सिंह चलथान ने व्यवस्था में सहयोग किया। शिविर में 110 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण लिया। सूरत प्रांत में ही पलसाना गांव स्थित संस्कार विद्या संकुल में भी एक प्राथमिक प्रक्षिण शिविर 19 से 22 अगस्त तक आयोजित हुआ। शिविर संचालक चंद्रवीर सिंह देणोक ने शिविरार्थियों से कहा कि इन चार दिनो में हम साथ रहे व विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से हमने क्षत्रियोचित संस्कारों को अपने जीवन में ढालने का प्रयास किया। यहां हमने जो ज्ञान अर्जित किया है वह अमृत स्वरूप है जिसका हमें सदैव ही स्मरण करते रहना चाहिए, अन्यथा संसार में व्याप्त विष तत्व के प्रभाव से वह ज्ञान लुप्त हो सकता है। शिविर में 96 शिविरार्थियों ने भाग लिया। संभाग के पुणे प्रांत में भी राजस्थान राजपूत समाज भवन स्थित दुर्गा माता मंदिर सुखसागर नगर पुणे में एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 19 से 21अगस्त तक संपन्न हुआ। शिविर का संचालन रणजीत सिंह आलासन ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि यहां पर हम क्षत्रिय के स्वाभाविक गुणों को समझने और अपने जीवन में ढालने का प्रयास करने आए हैं। इन गुणों को अर्जित करके हमें कर्म क्षेत्र में जाकर संघ का कार्य करना है। यहां से लौटकर अपने जीवन में नियमितता एवं निरन्तरता लाते हुए शाखा में जाएं, शाखा में अधिकतम बंधुओं को जोड़ें एवं संघ के सक्रिय कार्य मे अपना योगदान दें। शिविर में 72 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। व्यवस्था का जिम्मा राजस्थान राजपूत समाज के बंधुओ ने संभाला। इसी प्रकार बेंगलुरु प्रांत में तीन दिवसीय बालिका शिविर का आयोजन प्रगति कॉलेज, व्हाइट फील्ड में 19 से 21 अगस्त तक हुआ। शिविर का संचालन करते हुए संतोष कंवर सिसरवादा ने कहा कि अपने मानस पटल को खाली पन्ने की तरह साफ करके, उस पर श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा दिए जा रहे शिक्षण को अंकित करें। पूज्य श्री तन सिंह जी ने जब संघ की स्थापना की, तब वे बिलकुल अकेले थे, पर आज हम सब मिलकर उनके बताए मार्ग पर चल रहे हैं। यह उनकी तपस्या का ही फल है। शिविर में 38 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। दुर्जन सिंह भाड़ली, प्रवीण सिंह हरनावां व विजय प्रताप सिंह रायरा ने व्यवस्था में सहयोग किया।

मध्य गुजरात संभाग में तीन शिविर संपन्न हुए। अहमदाबाद ग्रामीण प्रांत में काणेटी गांव में 13 से 15 अगस्त तक तीन दिवसीय बालिका प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। शिविर का संचालन जागृति बा हरदासकाबास ने किया। उन्होंने नारी शक्ति का महत्व और उनका परिवार में दायित्व क्या है, यह बताया।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

भूचरमोरी (गुजरात) में 31वां शहीद श्रद्धांजलि समारोह संपन्न

गुजरात के जामनगर जिले के ध्रोल शहर में स्थित भूचरमोरी मैदान पर 31वां शहीद श्रद्धांजलि समारोह 18 अगस्त को आयोजित किया गया। समारोह में गुजरात के 5000 राजपूत युवाओं द्वारा 11 मिनट तक तलवार रास का विश्व रिकॉर्ड बनाया गया, इसे वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन में दर्ज किया गया। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, गुजरात भाजपा प्रदेश महामंत्री प्रदीप सिंह वाघेला, गुजरात सरकार में शिक्षा मंत्री कीर्ति सिंह वाघेला, पूर्व मंत्री आई के जाडेजा, पूर्व मंत्री धर्मेंद्र सिंह जाडेजा आदि वक्ताओं ने कार्यक्रम को संबोधित किया और जाम छत्रसाल जी (सताजी) के शौर्य को नमन करते हुए उनसे निर्बल की रक्षा करने की प्रेरणा लेने की बात कही। उल्लेखनीय है कि लगभग 400 वर्ष पहले इस भूमि पर जामनगर के राज में जाम छत्रसाल जी सदा जी और अकबर की सेना के बीच छत्रसाल जी द्वारा अहमदाबाद के सुल्तान को अपने यहां शरण देने के कारण भयंकर युद्ध हुआ था जिसमें अनेक राजपूत योद्धाओं ने अपने प्राणों की आहुति दी थी जिनमें से कई सिर कटने के बाद भी लड़ते रहे थे। उन्हीं वीरो की स्मृति में पिछले 30 वर्षों से श्री अखिल गुजरात राजपूत युवा संघ के डॉ जयेंद्र सिंह जाडेजा अपने साथियों के साथ मिलकर शहीद श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन कर रहे हैं।

झिनझिनयाली में समारोहपूर्वक मनाई जन्माष्टमी एवं मूलचंद जी की जयंती

जैसलमेर के झिनझिनयाली में दक्षिणी बसिया के योद्धा, संत व सपूत ऋषि राज मूलचंद जी भाटी झिनझिनयाली की जयंती के अवसर पर समारोह का आयोजन किया गया तथा उनकी तपोभूमि पर नवनिर्मित पोल का लोकार्पण भी महारावल चैतन्य राज सिंह द्वारा किया गया। समारोह के दौरान भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव भी मनाया गया। महंत त्रिलोकनाथ आसरी मठ जैसलमेर, महंत गोरखनाथ ख्याला मठ, महंत प्रताप पुरी तारातरा मठ, किशन गिरी अलेखिया मठ झिनझिनयाली आदि संतगण तथा विधायक रुपाराम धनदेव, दुष्यंत सिंह जाम, खेमेंद्र सिंह, पूर्व विधायक छोटू सिंह, उमेद सिंह तंवर, तनेसिंह सोढा, जनक सिंह भाटी, छुगसिंह पोछीण, गुलाब सिंह, पूर सिंह, अखे दान कोडा, शंभू दान भेलानी, हाथी सिंह चेलक ,मूल सिंह सहित अनेकों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के संभाग प्रमुख तारेंद्र सिंह झिनझिनयाली भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने संत श्री मूलचंद जी के जीवन से प्रेरणा लेने और अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन सवाई सिंह देवड़ा ने किया।

राजस्थान राजपूत परिषद (मुंबई) की कार्यकारिणी द्वारा शपथ ग्रहण

राजस्थान राजपूत परिषद मुंबई की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 21 अगस्त को माहेश्वरी भवन भायंदर में संपन्न हुआ। मुख्य संरक्षक रघुनाथ सिंह सराणा, ट्रस्ट बोर्ड चैयरमेन रतन सिंह तूरा, अध्यक्ष अनोप सिंह करड़ा व कार्यवाहक अध्यक्ष सौभाग्य सिंह कैलाशनगर व महेंद्र सिंह ईटन्दरा सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी शपथ ली।

जोबनेर में संघप्रमुख श्री के सान्निध्य में पुस्तक विमोचन कार्यक्रम सम्पन्न

13 अगस्त को जोबनेर गढ़ में रावल नरेंद्र सिंह द्वारा लिखित 'राजस्थान स्टेट के तीस निर्णायक युद्ध' (पुनः प्रकाशन) तथा डॉ. राघवेंद्र सिंह मनोहर द्वारा लिखित 'राजस्थान का इतिहास' पुस्तकों का विमोचन कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बेण्याकाबास ने कहा कि संस्कारों के बिना हम पूर्ण नहीं हैं। इसीलिए संघ अपनी सामुहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली के द्वारा समाज में संस्कार निर्माण का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे गौरवशाली इतिहास को प्रस्तुत करने वाली ऐसी पुस्तकें भी हमें प्रेरणा देने का कार्य करती हैं और सही इतिहास को सामने लाने के लिए ऐसे लेखन कार्य को अधिकाधिक प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। श्री राजपूत सभा के अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई ने वर्तमान समय में सभा भवन की उपयोगिता व शिक्षा क्षेत्र में सभा भवन के सहयोग के बारे में बताया। राघवेन्द्र सिंह मनोहर तथा रावल संग्राम सिंह ने दोनों पुस्तकों की विषय सामग्री के संबंध में बताया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गजेन्द्र सिंह आऊ भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

रॉयल राजपूत रेलवे परिवार का वार्षिकोत्सव संपन्न

रेलवे कर्मचारियों के संगठन रॉयल राजपूत रेलवे परिवार का वार्षिक समारोह 21 अगस्त को जयपुर में माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बेण्याकाबास के सानिध्य में संपन्न हुआ। संघप्रमुख श्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमें हमारे समाज के आर्थिक, राजनीतिक व सामाजिक विकास के साथ-साथ संस्कारों के निर्माण पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम को राजपूत सभा जयपुर के अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई तथा प्रेम सिंह रुणीजा (एजीएम दिल्ली मेट्रो) ने भी संबोधित किया तथा उपस्थित कर्मचारियों से अपने संगठन को मजबूत बनाकर समाज की सेवा में अपना योगदान देने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाले रेलवे कर्मचारियों के बालकों को सम्मानित भी किया गया।

आलोक आश्रम में मनाई जन्माष्टमी

बाड़मेर स्थित आलोक आश्रम में भाद्रपद कृष्णा अष्टमी (19 अगस्त) को माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर के सानिध्य में भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया जिसमें बाड़मेर शहर में रहने वाले स्वयंसेवक सपरिवार सम्मिलित हुए। नन्हें बाल गोपालों द्वारा श्री कृष्ण की वेशभूषा में दही हांडी के साथ विचित्र वेशभूषा एवं गुब्बारा फोड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। महिलाओं एवं बालिकाओं ने श्री कृष्ण के भजन, घूमर, गरबा आदि की प्रस्तुति दी। प्रोजेक्टर पर भगवान श्री कृष्ण की बाल लीला के नाट्य रूपांतरण का प्रदर्शन किया गया।

संपादकीय

व्यवस्था की कायरता और पौरूषहीनता का प्रतीक - सुराणा प्रकरण

हाल ही में जालौर जिले के सुराणा गांव की दुःखद घटना के अत्यधिक चर्चित होने का कारण यह रहा कि इस घटना को लेकर यह झूठ प्रचारित किया गया कि विद्यालय के सामान्य वर्ग से आने वाले एक अध्यापक ने, एक अनुसूचित जाति के छात्र को अपनी मटकी में से पानी पी लेने के कारण इतना पीटा कि उसकी मृत्यु हो गई। इस झूठ में घृणा की राजनीति करने वाले स्वार्थी राजनेताओं और जातिवादी तत्वों को अपने हित साधने की पूरी संभावना दिखाई दी और इसीलिए उन्होंने इस अवसर को लपकते हुए अपनी सारी शक्ति इस झूठ को सत्य सिद्ध करने में लगा दी। वास्तव में घटना की सत्यता यह थी, जो अब तक की पुलिस जांच और सुराणा गांव के सभी जाति वर्गों के लोगों के बयानों से भी स्पष्टतया सामने आई है, कि विद्यालय में दो छात्रों के आपस में झगड़ने पर उस अध्यापक द्वारा दोनों को थप्पड़ लगाई गई किंतु दुर्भाग्यवश जिस छात्र की मृत्यु हुई उसके कान में विगत लंबे समय से चले आ रहे संक्रमण के कारण उसकी स्थिति बिगड़ गई। कई दिनों तक विभिन्न स्थानों पर परिजनों द्वारा उसका इलाज करवाया गया जिसमें उस अध्यापक ने भी अपनी गलती मानते हुए यथासंभव आर्थिक सहायता की किंतु अंततः छात्र की मृत्यु हो गई। एक छात्र की इस प्रकार की मृत्यु निश्चित ही दुखद हैं और अध्यापक की असंवेदनशीलता व उसके द्वारा कानून के उल्लंघन को अनदेखा नहीं किया जा सकता। लेकिन छात्र की मृत्यु के बाद जिस प्रकार से इस घटना को राजनीतिक स्वार्थों और जातिवादी तत्वों द्वारा मुद्दा बनाया गया उसमें उनका पूरा जोर इस बात को सिद्ध करने में था कि एक सामान्य जाति के अध्यापक ने एक दलित वर्ग के छात्र को अपनी मटकी में से पानी पीने के कारण पीट पीट कर मार डाला। देशभर के मीडिया ने भी ऐसी खबर से मिलने वाली सनसनी के कारण तथ्यों और साक्ष्यों को जाने बिना इस झूठ को प्रचारित करने में पूरा सहयोग दिया। जाति की राजनीति करने वाले राजनेताओं, जातिवादी सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों आदि का जालौर पहुंचने का क्रम प्रारंभ हो गया जिन्होंने छात्र के परिजनों को बरगला कर उन्हें मुआवजे के रूप में बड़ी राशि और सरकारी नौकरी का लालच देकर उनसे इस मामले को जाति आधारित घटना सिद्ध करने वाले बयान दिलवाए। भड़काऊ बयानबाजी करके मामले को सामान्य जाति बनाम दलित करने का भी प्रयास प्रारंभ हुआ और हमारे समाज से द्वेष रखने वाले वे जातिवादी नेता भी दलित हितैषिता का मुखौटा पहनकर इस खेल में कूद पड़े जो दलितों के प्रति होने वाले कई वास्तविक अपराधों में केवल इसलिए चुप रह जाते हैं कि अपराधी उनकी जाति का है। इस प्रकार एक छात्र की दुखद मृत्यु को राजनीतिक रोटियां सेकने का माध्यम बनाया गया और एक सौहार्दपूर्ण और शांत क्षेत्र में जातिगत घृणा फैलाने का कुचक्र रचा गया।

यह आश्चर्य ही है कि घृणा फैलाने वाले इन तत्वों में से किसी ने भी इस तथ्य को सामने नहीं रखा कि जिस अध्यापक पर दलितों के प्रति घृणा का आरोप लगाया जा रहा है उसके विद्यालय का सहस्वामित्व एक अनुसूचित जाति के व्यक्ति के पास ही है और उस विद्यालय में पढ़ाने वाले अध्यापकों में भी अधिकांश अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग से हैं, साथ ही इस वर्ग के अनेक अन्य छात्र भी इसी विद्यालय में पढ़ते हैं जिन्होंने किसी भी प्रकार के जातीय भेदभाव से इनकार किया है। पुलिस जांच में वहां कोई मटकी नहीं पाई गई और सभी वर्गों के विद्यार्थियों द्वारा पानी की एक टंकी से ही पानी पिए जाने की बात सामने आई, इस तथ्य को भी किसी ने महत्व देना उचित नहीं समझा क्योंकि यदि यह तथ्य सामने आते तो इन तथाकथित दलित हितैषियों की समाजों को आपस में लड़ाने और नफरत फैलाने की राजनीति काम नहीं कर सकती थी।

जातिवादी तत्वों की घृणा फैलाने की यह मानसिकता निश्चित रूप से समाज और राष्ट्र के लिए विध्वंसकारी हैं लेकिन यह भी सत्य है कि ऐसे स्वार्थी तत्व हमारे बीच में विद्यमान हैं और यह ऐसे ही कुत्सित प्रयास करते रहेंगे। किंतु इस पूरी घटना में जो सबसे दुखद और **चिंताजनक पहलू उभर कर आया है, वह है इन तत्वों को रोकने की जिम्मेदारी जिस राजनैतिक और प्रशासनिक व्यवस्था पर है उसकी कायरता और पौरूषहीनता।** घटना की वास्तविकता को जानते हुए भी समाज विरोधी तत्वों को घृणा का खेल खेलने की पूरी छूट इस नपुंसक व्यवस्था ने दी और उसके परिणाम स्वरूप एक गांव ही नहीं पूरे जिले, राज्य और देश में समुदायों के बीच नफरत को बढ़ाने का खेल चलता रहा और पूरा प्रशासन और उस को नियंत्रित करने वाला राजनैतिक वर्ग पंगु बनकर देखता रहा। क्या यह सत्य नहीं कि इस घटना की वास्तविकता से ग्रामवासी, क्षेत्र के प्रशासनिक और पुलिस कर्मी, उनके मुखिया जिले के पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर से लेकर राज्य के मुख्यमंत्री तक सभी भली-भांति परिचित हो चुके थे? सभी इस बात को जानते थे कि इस घटना में जातीय द्वेष का कोई भी कोण नहीं था और यह भी जानते थे कि इस कोण को जबरदस्ती स्थापित करने के लिए किस प्रकार के कुत्सित प्रयास किए जा रहे थे। किंतु इस पौरुषहीन व्यवस्था ने इसको रोकने के प्रयत्न करना तो दूर, दृढ़तापूर्वक इस बात को कहने का साहस भी नहीं किया कि सौहार्दपूर्ण सामाजिक ताने बाने को तोड़ने के ये कृत्य गलत है और ऐसा नहीं होना चाहिए। यह निश्चित ही हम सभी के लिए विचारणीय है कि हमारे राष्ट्र का भविष्य ऐसी नपुंसक और कायर व्यवस्था के हाथों में है। लेकिन यह पौरुषहीनता वास्तव में व्यवस्था की नहीं बल्कि व्यवस्था के धारकों की है। साहसहीन कापुरुषों के हाथों में पड़कर कोई भी व्यवस्था अपनी पवित्रता को बनाए नहीं रख सकती चाहे वह लोकतंत्र जैसी श्रेष्ठ व्यवस्था ही क्यों ना हो। एक आदर्श लोकतांत्रिक व्यवस्था निर्मित होने का स्वप्न इस राष्ट्र द्वारा लोकतंत्र को अंगीकार करते समय देखा गया था। किंतु यह स्वप्न तब तक साकार नहीं हो सकता जब तक कि देश में शासन के लिए जिम्मेदार इन संस्थानों का दायित्व साहसी, विवेकशील, जागृत और भारतीयता के वास्तविक मूल्यों के प्रति निष्ठा रखने वाले व्यक्तियों द्वारा नहीं संभाला जाता। श्री क्षत्रिय युवक संघ ऐसे ही जागृत विवेक वाले साहसी व्यक्तियों के निर्माण की कार्यशाला है जो वर्तमान की प्रतिकूल परिस्थितियों से संघर्ष करती हुई निरंतर गतिमान है। ये विपरीत परिस्थितियां इसकी कठिनता और दीर्घसूत्रता को और बढ़ाती हैं ऐसे में धैर्यपूर्वक निरंतर कर्मशीलता की आवश्यकता है।

पादरू में कार्ययोजना बैठक संपन्न

श्री क्षत्रिय युवक संघ के सिवाना प्रांत की त्रैमासिक कार्ययोजना बैठक पादरू स्थित श्री जैतमाल राजपूत बोर्डिंग में संभाग प्रमुख मूल सिंह काठाड़ी की उपस्थिति में 22 अगस्त को आयोजित हुई। स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए काठाड़ी ने कहा कि संघ कर्तव्य पालन की बात करता है, इसलिए हम जिम्मेवारी पूर्वक अपने कर्तव्य के निर्वहन को प्राथमिकता दें। बैठक में क्षेत्र में लगने वाले आगामी शिविरों, शाखाओं एवं संघ शक्ति, पथ प्रेरक की सदस्यता को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। पृथ्वी सिंह रामदेरिया, रिड़मलसिंह बेरसियाला, प्रांत प्रमुख मनोहर सिंह सिणेर स्वयंसेवकों सहित बैठक में उपस्थित रहे।

जयपुर में स्नेहमिलन संपन्न

21 अगस्त को जयपुर ग्रामीण दक्षिण पश्चिम प्रांत का मासिक स्नेहमिलन सुशांत सिटी प्रथम माचवा कालवाड़ रोड जयपुर में रखा गया जिसमें प्रांत प्रमुख देवेंद्र सिंह बरवाली ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय देते हुए कहा कि संघ समाज को संगठित करके स्वधर्म पालन के मार्ग पर पुनः आरूढ़ करने का कार्य कर रहा है। प्रवीण सिंह विजयपुरा, मनोहर सिंह जालिम सिंह का बास, प्रदीप सिंह नेवरी, कैप्टन धर्मपाल सिंह, मुकेश सिंह बोबासर, दयाल सिंह किशोरपुरा, दीप सिंह सामी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में सुशांत सिटी के अध्यक्ष अजय सिंह श्यामपुरा भी समाजबंधुओं सहित उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मातृशक्ति की भी उपस्थिति रही।

नसीराबाद विधानसभा क्षेत्र की राजपूत सभा के चुनाव संपन्न

अजमेर जिले में नसीराबाद विधानसभा क्षेत्र की राजपूत सभा के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व महासचिव के दायित्व हेतु चुनाव 14 अगस्त को संपन्न हुए जिसमें वीरेंद्र सिंह गौड़ गड्डी अर्जुनपुरा को अध्यक्ष, राजेंद्र सिंह राठौड़ देराठू को उपाध्यक्ष एवं चेतन सिंह राठौड़ बनेवड़ा व वीर सिंह राठौड़ पिचोलिया को महासचिव चुना गया। चुनाव के दौरान राजपूत सभा जयपुर के प्रतिनिधि पर्यवेक्षक के रुप में उपस्थित रहे। चुनाव के पश्चात आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत राजपूत समाज की ओर से डाक बंगले से सदर बाजार होते हुए उपखंड कार्यालय तक तिरंगा भी रैली निकाली गई।

इंद्रप्रताप ने दसवीं में 98.40% अंक

इंद्रप्रताप सिंह पुत्र डॉ. बृजेन्द्र सिंह राजावत (वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक) निवासी बाड़ा पिचानोत (करौली) ने वर्ष 2021-22 में आयोजित सीबीएसई की दसवीं बोर्ड परीक्षा में 98.40% अंक प्राप्त किए। इससे पूर्व इंद्रप्रताप आई.आई.टी. नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में मेकमिलन बडिंग वैज्ञानिक पुरूस्कार 2020 (नोर्थ जोन) में पीईटी (PET) मेटेरियल से ईंट का निर्माण करके द्वितीय स्थान प्राप्त कर चुके हैं।

नयन सिंह दूजोद का हैंडबॉल में उत्कृष्ट प्रदर्शन

इंडियन यूथ हैंडबॉल टीम में गोलकीपर के रूप में चुने गए सीकर जिले के दूजोद निवासी नयन सिंह पुत्र हनुवंत सिंह ने बहरीन में आयोजित 9वीं एशियन पुरुष यूथ चैंपियनशिप में कोरिया के विरुद्ध खेले गए मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम के 15 आक्रमणों को निष्फल किया और टीम को पराजय से बचाया।

आदित्य और अदिति ने बॉक्सिंग में जीते पदक

जालौर जिले के भवरानी गांव निवासी रतन सिंह के पुत्र आदित्य सिंह और पुत्री अदिति कंवर ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक जीतकर ग्राम वासियों और समाज को गौरवान्वित किया है। आदित्य ने 24वीं सब जूनियर राष्ट्रीय वूशू प्रतियोगिता हिमाचल में व केंद्रीय विद्यालय द्वारा आयोजित रीजनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीते। वहीं अदिति ने 21वीं रीजनल केंद्रीय विद्यालय बॉक्सिंग अंडर 14 खेलकूद प्रतियोगिता, जयपुर में स्वर्ण पदक जीता। वह राज्य स्तरीय वूशू प्रतियोगिता में रजत पदक व नेपाल में आयोजित वुशू अंतर्राष्ट्रीय इंवाइटेशन प्रतियोगता में स्वर्ण पदक भी जीत चुकी है। इनके पिता रतन सिंह एवं उनके भाई गणपत सिंह और राजेंद्र सिंह श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक हैं एवं पूरा परिवार संघ से सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है।

जय अंबे स्वयंसेवक संघ काणेटी का 31वां पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

अहमदाबाद जिले के काणेटी गांव स्थित प्राथमिक शाला संकुल में जय अंबे स्वयंसेवक संघ काणेटी का 31वां पुरस्कार वितरण समारोह 21 अगस्त को आयोजित हुआ जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थी, ग्रामवासी, प्राथमिक शाला के आचार्य और शिक्षक गण, श्री राजपूत विकास संघ - सानंद के सदस्य आदि उपस्थित रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के मध्य गुजरात संभाग प्रमुख अणदुभा काणेटी भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। जय अंबे स्वयंसेवक संघ के प्रमुख देवेंद्रसिंह कानेटी और संस्था के कार्यकर्ताओं ने व्यवस्था का जिम्मा संभाला।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	10.09.2022 से 12.09.2022 तक	**कोटड़ानायाणी**। बांकानेर, गुजरात।
02.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	10.09.2022 से 12.09.2022 तक	**रतनपर**। राजकोट गुजरात।
03.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	23.09.2022 से 26.09.2022 तक	**बामणिया (चूरू)**। सुजानगढ़। सालासर से बसें हैं।
04.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	23.09.2022 से 26.09.2022 तक	**मेड़ता रोड़ (नागौर)**। नागौर-अजमेर मार्ग पर।
05.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	23.09.2022 से 26.09.2022 तक	**कोटासर (बीकानेर)**। लखासर, सेरुणा से टैक्सी-बस उपलब्ध।
06.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	23.09.2022 से 26.09.2022 तक	**लंबोर बड़ी (चूरू)**। राजगढ़ से देरासर मार्ग पर।
07.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	23.09.2022 से 26.09.2022 तक	**धनेश्वर महादेव (चित्तौड़गढ़)**। चित्तौड़गढ़ से भदेसर रोड पर अमरपुरा उतरें। **सम्पर्क सूत्र:** 9413978303
08.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	23.09.2022 से 26.09.2022 तक	**बाखासर (बाड़मेर)**। बाखासर से रड़वा रोड़ पर तरवर डेर विद्यालय।
09.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	23.09.2022 से 26.09.2022 तक	**बिजावल (बाड़मेर)**। गडरा रोड से बिजावल सड़क मार्ग पर।
10.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	23.09.2022 से 26.09.2022 तक	**डांगरी (जैसलमेर)**। पोकरण-बाड़मेर मार्ग पर।
11.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	23.09.2022 से 26.09.2022 तक	**दिवेर (राजसमंद)**। विजय स्मारक दिवेर। नाथद्वारा-ब्यावर के बीच नेशनल हाईवे पर स्थित।
12.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	23.09.2022 से 26.09.2022 तक	**खेहर (अलवर)**। नीमराणा।
13.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	23.09.2022 से 26.09.2022 तक	**बूंदी**। महाराजा महिपतसिंह जी की बगीची, चौथ माता मंदिर रोड, तालाब के पास, बूंदी।
14.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	23.09.2022 से 26.09.2022 तक	**गिरराजसर (बीकानेर)**।
15.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	23.09.2022 से 26.09.2022 तक	**रामासनी (जोधपुर)**। तहसील भोपालगढ़।
16.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	23.09.2022 से 26.09.2022 तक	**टौंक**
17.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	23.09.2022 से 26.09.2022 तक	**देवलियां (जोधपुर)**।
18.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	23.09.2022 से 26.09.2022 तक	**नाथद्वारा (राजसमंद)**। महाराणा प्रताप बोर्डिंग हाउस।
19.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	23.09.2022 से 26.09.2022 तक	**बाड़मेर**। आलोक आश्रम।
20.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	24.09.2022 से 26.09.2022 तक	**कामली (गुजरात)**। तहसील ऊंझा, जिला-मेहसाणा।
21.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	24.09.2022 से 26.09.2022 तक	**जगनाथपुरा (गुजरात)**। जिला-मेहसाणा।
22.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	24.09.2022 से 27.09.2022 तक	सिढां राम चीला नाडा (जोधपुर)। तहसील-बाप
23.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	24.09.2022 से 27.09.2022 तक	**सिवाना (बाड़मेर)**। बेरा सुन्दरिया। बालोतरा, जालोर-जोधपुर से सिवाना के लिए बस है।
24.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	24.09.2022 से 27.09.2022 तक	**कोलू (बाड़मेर)**। अमरसिंह की ढाणी के पास, बस स्टैण्ड मोराला कोलू। बायतु, बालोतरा, गिडा व बाड़मेर से बसें।
25.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	27.09.2022 से 30.09.2022 तक	**हमीरा (जैसलमेर)**। जैसलमेर से मोहनगढ़ वाया थईयात।

शिविर में आने वाले युवक काला नीकर, सफेद कमीज या टीशर्ट, काली जूती या जूता व युवतियां केसरिया सलवार कमीज, कपड़े के काले जूते, मौसम के अनुसार बिस्तर (एक परिवार से दो जने हों तो अलग-अलग), पेन, डायरी, टॉर्च, रस्सी, चाकू, सूई-डोरा, कंघा, लोटा, थाली, कटोरी, चम्मच, गिलास साथ लेकर आवें। संघ साहित्य के अलावा कोई पत्र-पत्रिका, पुस्तकें एवं बहुमूल्य वस्तुएं साथ ना लावें।

दीपसिंह बैण्यकाबास, शिविर कार्यालय प्रमुख

महावीर सिंह राठौड़ राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित

भारतीय रिजर्व बटालियन में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत महावीर सिंह राठौड़ को केंद्र शासित प्रदेश दादरा नगर हवेली व दमण दीव प्रशासन द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। वे अभी सिलवासा में पदस्थापित है।

रामेश्वर सिंह ठाकुर बने हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष

हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा शिमला के जुब्बड़हट्टी निवासी रामेश्वर सिंह ठाकुर को हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग का नया अध्यक्ष बनाया गया है। रामेश्वर सिंह वर्तमान में पुलिस में महानिरीक्षक (IG) इंटेलिजेंस के पद पर कार्यरत हैं। वे नौ वर्ष तक प्रधानमंत्री की सुरक्षा में सेवाएं दे चुके हैं तथा उन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका है।

हर्षवर्धन सिंह का राज्य क्रीड़ा परिषद कबड्डी में चयन

हर्षवर्धन सिंह बुहाना का राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद में चयन झुंझुनू जिले के मुहाना निवासी हर्षवर्धन सिंह पुत्र गिरवर सिंह का चयन राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद कबड्डी के लिए किया गया है।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

Mobile : 95497-77775, 87428-13538, 98288-34449
जय श्री
बॉयज हॉस्टल
BEST FOR 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, Science Blo, Maths, IIT, NEET, JEE, Foundation, Target
CLC के पास, पिपराली रोड, सीकर
ALLEN के पीछे, शरदलता हॉस्पिटल के पास, पिपराली रोड, सीकर

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

(पृष्ठ एक का शेष)

दुगार्दास के जीवन से लें समाज चरित्र की शिक्षा: सरवड़ी

पांचवा गुण है - युद्ध से ना घबराना। युद्ध से बिना घबराए वे अपने उद्देश्य के लिए प्रवृत्त रहे, प्रत्येक प्रकार का संघर्ष किया, जो आवश्यक था वह कार्य किया। छठा गुण है - दान। केवल धन का दान ही दान नहीं होता, दुर्गादास जी ने तो अपना सर्वस्व दान किया। जोधपुर को प्राप्त करने के लिए अपने पुत्र को खोया, अपने पोते को खोया और यदि धन की भी बात हो तो जब वे संभाजी के पास गए तो कवि कुलिश की विधवा पत्नी ने उन से सहायता मांगी तो स्वयं कठिनाई में होते हुए उन्होंने धन के द्वारा भी उसकी सहायता की। सातवा गुण है - ईश्वर भाव अर्थात ईश्वर की तरह से सभी को बराबर देखना। पूर्व के छह गुण किसी भी व्यक्ति में हो सकते हैं, लेकिन उनके साथ यदि ईश्वर भाव नहीं हो तो वह क्षत्रिय नहीं है। इस स्वभाव के बिना क्षत्रियत्व पनप नहीं सकता। दुर्गादास जी के ईश्वर भाव के कारण ही अकबर अपने बच्चों को उनके संरक्षण में छोड़ सका और उन्होंने जिस दायित्वबोध के साथ उनका लालन पोषण किया, उन्हें इस्लामी शिक्षा प्रदान की, यह दुर्गादास जी के ईश्वरीय भाव का ही प्रमाण है। उपर्युक्त बात डीडवाना के श्री हिम्मत छात्रावास में 14 अगस्त को आयोजित राष्ट्रनायक दुर्गादास राठौड़ जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री क्षत्रिय युवक संघ के समन्वयक एवं श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी ने कही। उन्होंने कहा कि दुर्गादास जी अपनी अंतिम सांस तक कभी निष्क्रिय नहीं रहे, बराबर इसी सोच के साथ चलते रहे कि समाज की मैं क्या सेवा कर सकता हूं, मारवाड़ की मैं क्या सेवा कर सकता हूं, जो मुझे उत्तरदायित्व मिला है उसे मैं कैसे पूरा कर सकता हूं। हम आज उनकी जयंती मना रहे हैं पर यदि दुर्गादास जी के जीवन का केवल एक गुण 'समाज-चरित्र' हम पकड़ लें तो पर्याप्त है। आज घर-घर में भाई-भाई लड़ रहे हैं, संपत्ति के लिए, भूमि के लिए, अधिकार के लिए। वहीं दुर्गादास जी तो चुपचाप पूरा मारवाड़ छोड़ कर चले गए। क्यों नहीं उनसे प्रेरणा लेकर हम अपने परिवार में सौहार्द को बनाए रखने के लिए अपना स्वार्थ भूलें और परिवार का वातावरण अच्छा बनाएं। यही स्थिति समाज में है। समाज में भी एक दूसरे की टांग खींचने को लगे रहते हैं, और इस बात को समझते नहीं है कि जब तक हम एक साथ काम नहीं करेंगे तब तक पार नहीं पड़ेगी। यही हाल राजनीति में भी है। इसलिए दुर्गादास जी की केवल एक बात हम पकड़ लें कि उन्होंने अपना सब कुछ छोड़ कर, केवल जोधपुर में शांति बनी रहे इसलिए, निर्वासन को भी स्वीकार कर लिया। हम भी अपने निजी स्वार्थ को छोड़कर परिवार को संभाले, समाज को संभाले, राजनीति को संभाले। ऐसा यदि हम कर सके तो हमने दुर्गा दास जी से बहुत कुछ सीख लिया। कार्यक्रम को केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, तारातरा मठ के महंत प्रतापपुरी महाराज, राजस्थान विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़, पूर्व लाडनूं विधायक मनोहर सिंह, परबतसर के पूर्व विधायक मानसिंह किनसरिया ने भी संबोधित किया एवं दुर्गादास जी के जीवन से प्रेरणा लेकर हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की बात कही। श्री हिम्मत छात्रावास मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष रघुवीर सिंह चौमूं ने सबका आभार व्यक्त किया।

दुर्गा दास जी की 384वीं जयंती के उपलक्ष में भारतीय पंचांग अनुसार श्रावण शुक्ल चतुर्दशी (11 अगस्त) और अंग्रजी कैलेंडर के अनुसार 13 अगस्त को देशभर में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित हुए। उदयपुर में बीएन संस्थान के परिसर में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में दुर्गा दास जी की जयंती 13 अगस्त को मनाई गई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दुर्गादास जी का यह संपूर्ण संघर्ष किसी अधिकार अथवा सत्ता की प्राप्ति के लिए नहीं बल्कि उनके दायित्व बोध के कारण था। श्री क्षत्रिय युवक संघ भी उसी दायित्व बोध और समाज-चरित्र का शिक्षण देने का कार्य कर रहा है। हम भी इस कार्य में सहयोगी बनकर अपने भीतर समाज, राष्ट्र और मानवता के प्रति दायित्व बोध का जागरण करें यही दुर्गा दास जी के प्रति सच्ची कृतज्ञता होगी। संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। 11 अगस्त को बाड़मेर स्थित श्री मल्लिनाथ छात्रावास के प्रांगण में वीर दुर्गादास राठौड जयंती एवं रक्षाबंधन का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ स्वयंसेवक कमल सिंह चूली ने कहा कि वीर दुर्गादास राठौड़ स्वामीभक्ति एवं कर्तव्य परायणता की मिसाल थे। दुर्गादास का जन्म मारवाड़ में हुआ लेकिन उनके व्यक्तित्व में अद्भुत रण कौशल, त्याग, स्वामी भक्ति, स्वतंत्रता, राष्ट्रप्रेम, महिलाओं के प्रति सम्मान आदि गुणों ने उन्हें संपूर्ण भारत का नायक बना दिया। दुर्गादास का संपूर्ण जीवन संघर्षों में ही बीता। घोड़े की पीठ पर रोटी सेकने वाले दुर्गादास जी ने अपने संघर्ष से हमें कर्तव्य परायणता का पाठ पढ़ाया। कार्यक्रम का

उज्जैन

बाड़मेर

संचालन प्रांत प्रमुख छगन सिंह लूणू ने किया। संभाग प्रमुख महिपाल सिंह चूली सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शामिल बाड़मेर शहर की विभिन्न शाखाओं के विद्यार्थियों एवं शहर के गणमान्य नागरिकों ने ध्वज को एवं एक दूसरे को राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। चौहटन स्थित श्री भवानी क्षत्रिय बोर्डिंग हाउस में भी रक्षाबंधन पर्व और दुर्गादास राठौड़ की जयंती का आयोजन 11 अगस्त को हुआ। उदय सिंह देदूसर ने रक्षाबंधन पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि हमें इस पर्व पर अपने बंधुत्व के भाव को मजबूत बनाना चाहिए। उन्होंने वीरवर दुर्गादास राठौड़ के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों के बारे में बताते हुए कहा कि अपने जीवन में दुर्गादास जी के जीवन से प्रेरणा लेकर स्वयं में क्षत्रियत्व के गुणों को धारण करें। प्रांतप्रमुख लाल सिंह आकोड़ा ने कार्यक्रम का संचालन किया। इसके अतिरिक्त प्रांत के तारातरा, देदूसर, सनाऊ, गंगाला, आकोड़ा, गौहड़ का तला आदि स्थानों पर भी कार्यक्रम आयोजित हुए।

राष्ट्रनायक के निर्वाण स्थल उज्जैन में राजपूत धर्मशाला दानीगेट, रामघाट पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा और श्री क्षत्रिय युवक संघ के संयुक्त तत्वावधान में दुर्गा दास जी की जयंती श्रद्धा पूर्वक मनाई गई। सभी उपस्थित अतिथियों और श्रद्धालुओं ने चक्रतीर्थ पर जाकर वीर दुर्गा दास जी की छतरी पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। तत्पश्चात राजपूत धर्मशाला में आयोजित संगोष्ठी में डॉक्टर कमल सिंह बेमला ने दुर्गादास जी के जीवन वृतांत को विस्तार से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन कान सिंह राठौड़ ने किया। वयोवृद्ध स्वयंसेवक बालू सिंह जगपुरा ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के बारे में बताया। मुम्बई प्रांत की भायंदर शाखा में भी राष्ट्रनायक वीर दुर्गादास जी की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के समाप्ति के पश्चात रक्षाबंधन का कार्यक्रम भी रखा गया जिसमें सभी स्वयंसेवकों द्वारा एक-दूसरे को रक्षा सूत्र बांधा गया। गोहिलवाड़ संभाग के मोरचंद प्रांत में दुर्गादास जयंती एवं यज्ञोपवीत का कार्यक्रम मोरचंद गांव में 11 अगस्त को संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन शक्तिसिंह मोरचंद ने किया। धर्मेंद्रसिंह आंबली ने दुर्गादासजी का जीवन परिचय प्रस्तुत किया। छनुभा पछेगाव द्वारा श्री क्षत्रिय युवक संघ की कार्य प्रणाली के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में प्रांत के मोरचंद, खडसलिया, थलसर आदि गांवों की शाखाओं के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

बीकानेर संभाग के श्री डूंगरगढ़ मण्डल में भी वीरवर दुर्गादास जी की जयंती 13 अगस्त को मनाई गई। वरिष्ठ स्वयंसेवक जोरावरसिंह भादला ने कहा कि मातृभूमि के प्रति अपने कर्त्तव्य के पालन हेतु जीवन पर्यन्त संघर्ष कर दुर्गादास जी ने अपनी अतुलनीय राष्ट्र भक्ति का परिचय दिया। भरतसिंह सेरुणा ने श्री क्षत्रिय युवक के आनुषंगिक संगठन श्री प्रताप फाउंडेशन के संक्षिप्त परिचय के साथ बीकानेर में होने वाले किसान सम्मेलन में भाग लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन संभाग प्रमुख रेवंतसिंह जाखासर ने किया। नागौर में श्री चारभुजा राजपूत छात्रावास (मेडता सिटी) में भी जयंती मनाई गई। वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया ने कहा कि दुर्गादास जी ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण 32 वर्ष मारवाड़ के स्वाभिमान के लिए लगा दिए क्योंकि वह उनके कर्तव्य की मांग थी। ऐसे महान व्यक्तित्व से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम को भवानी सिंह कात्यासनी व महावीर सिंह सिरसला ने भी सम्बोधित किया। नागौर के अमर राजपूत छात्रावास में भी राष्ट्रनायक की जयंती मनाई गई। नागौर प्रांत प्रमुख उगम सिंह गोकुल ने कहा कि दुर्गादास जी ने आदर्श क्षत्रिय के रुप में अपना सम्पूर्ण जीवन जिया। कार्यक्रम का संचालन जब्बर सिंह दौलतपुरा ने किया। स्व. महेंद्र सिंह मेमोरियल संस्थान रिंण रोड, बाप में भी जयंती मनाई गई। वरिष्ठ स्वयंसेवक गणपत सिंह अवाय ने कहा कि वीर दुर्गादास राठौड़ अपनी स्वामी भक्ति व देशभक्ति के लिए जाने जाते हैं। जोधपुर में पावटा स्थित हनवंत राजपूत छात्रावास में आयोजित दुर्गादास जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भरतपाल सिंह दासपां ने कहा कि वर्तमान समय में हमें दुर्गादास जी जैसे महान व्यक्ति के विचारों पर चलने की आवश्यकता है। दुर्गादास जी का जीवन हमारे लिए प्रेरणादायी है, उनके पदचिन्हों पर चल कर ही हम वर्तमान समय की चुनौतियों से पार पा सकते हैं। लोकेन्द्र सिंह गोरडिया व मोती सिंह फलसूण्ड ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन जसवंत सिह भैंसडा ने किया। शेरगढ प्रान्त के नाहर सिंह नगर, भूंगड़ा, रामगढ़ व तेना में भी राष्ट्रनायक की जयंती मनाई गई। जैसलमेर संभाग के पोकरण प्रांत में भैंसड़ा ग्राम स्थित पंचायत घर में भी राष्ट्रनायक दुर्गादास जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कमल सिंह भैंसड़ा ने उनका जीवन परिचय व भारतीय इतिहास मे उनके योगदान के बारे मे विस्तार से बताया। चाबा गाँव के युवाओं द्वारा वीर दुर्गा दास राठौड़ की जयंती आवड़ माता मन्दिर में मनाई गयी जिसमें वीर दुर्गा दास के जीवन के बारे चर्चा की गई और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए ऐसे महापुरुषों की जयंती नियमित रूप से मनाने का संकल्प लिया। कुंडल शाखा में भी जयंती मनाई गई। बनासकांठा प्रान्त में दांतीवाडा तहसील के धनियावाडा गाँव में भी दुर्गादास जी की जयंती मनाई गई। ईश्वर सिंह आरखी ने श्री क्षत्रिय युवक संघ की कार्यप्रणाली से सभी को अवगत कराया। प्रांत प्रमुख अजीत सिंह कुणघेर ने सभी से वीरवर दुर्गादास के गुणों को अपने जीवन में धारण करने का अनुरोध किया। उपस्थित समाजबंधुओं ने गांव में शाखा प्रारंभ करने की बात कही। बनासकांठा प्रान्त में वडगाम तहसील के मेमदपुर में भी जयंती मनाई गई जिसमें प्रांत प्रमुख अजीत सिंह कुणघेर सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। दिल्ली एनसीआर प्रांत द्वारा जयंती कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली के आजाद मार्केट में स्थित दुर्गादास चौक पर रखा गया जहां दुर्गा बाबा की अश्वारूढ़ प्रतिमा पर उपस्थित समाजबंधुओ ने पुष्पांजलि अर्पित की। महेन्द्र सिंह सेखाला ने पुज्य श्री तन सिंह जी रचित 'क्षिप्रा के तीर' प्रकरण का पठन किया तथा संघ का परिचय दिया।

हरियाणा के हिसार में महाराणा प्रताप भवन में भी राष्ट्रनायक दुगार्दास राठौड़ की जयंती मनाई गई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गजेंद्र सिंह आऊ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ पिछले 75 वर्षों से शिविरों के माध्यम से समाज के युवाओं में व्यक्तित्व निर्माण और संस्कार निर्माण पर काम कर रहा है जिससे हमारे समाज में पुनः दुर्गा दास जी और महाराणा प्रताप जैसे महापुरुष पैदा हो सकें। संघ को शब्दों से समझना ही पर्याप्त नहीं है क्योंकि यह क्रियात्मक अनुभव का विषय है और वह अनुभव शिविरों में ही मिलता है। श्री क्षात्र पुरूषार्थ फाउंडेशन के यशवर्धन सिंह झेरली ने दुगार्दास जी के जीवन चरित्र के बारे में बताया और कहा कि दुगार्दास जी ने औरंगजेब जैसे शासक के खिलाफ लम्बा संघर्ष किया। उनका जीवन हमारे लिए प्रेरणा का एक आदर्श उदाहरण है। आज की राजनीति में जब नेताओं को रंग बदलते देखते हैं तक दुगार्दास जैसे चरित्र हमें राह दिखाते हैं। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

श्री डूंगरगढ़

हिसार

(पृष्ठ दो से लगातार)

अनवरत जारी है...

शिविर में कानेटी, खोड़ा, गांधीनगर, मंगोड़ी, चेखला, बकराना और अहमदाबाद शहर से 80 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। व्यवस्था का जिम्मा केशुभा काणेटी ने सहयोगियों के साथ मिलकर संभाला। चरोतर प्रांत में आणंद जिले के वड़ोद गांव स्थित प्राथमिक शाला में तारीख 13 से 15 अगस्त तक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। शिविर संचालक योगेंद्र सिंह काणेटी ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ विगत 75 वर्ष से समाज में चरित्र निर्माण व संस्कार सिंचन का कार्य शिविरों व शाखाओं द्वारा कर रहा है। पू. तन सिंह जी ने समाज और राष्ट्र के लिए जो स्वप्न देखा है उसे साकार करने के लिए हम सभी को संगठित होकर प्रयास करना पड़ेगा। शिविर में मोगर, उमरेठ, वडोद, कानेटी, खोड़ा और चेखला गांव के 55 युवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। महिपतसिंह वड़ोद और गांव के युवाओं ने व्यवस्था का जिम्मा संभाला। चरोतर प्रांत प्रमुख अरविंदसिंह कानेटी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। अहमदाबाद-गांधीनगर प्रांत के खाटाआंबा गांव स्थित प्राथमिक शाला में भी तीन दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 13 से 15 अगस्त की अवधि में संपन्न हुआ। शिविर का संचालन दिग्विजय सिंह पलवाड़ा ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि यह शिविर हमारे जीवन का टर्निंग प्वाइंट साबित होना चाहिए क्योंकि ऐसा शिक्षण संसार में अन्यत्र कहीं भी मिलना कठिन है। लेकिन ऐसा तभी होगा जब हम यहां सीखी गई प्रत्येक बात को अभ्यास द्वारा अपने आचरण का अंग बनाएंगे। शिविर में खाटाआंबा, समौ, पडुस्मा, नवा, हरनाहोडा, पारसा, पिलवइ, रंगपुर, मंगोडी, सरगासण, माणसा, गांधीनगर, अहमदाबाद शहर, काणेटी और साणंद से 135 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। व्यवस्था का जिम्मा खाटा आंबा गांव के समाज बंधुओं ने मिलकर संभाला। शिविर में 14 अगस्त को स्नेह मिलन का आयोजन भी किया गया जिसमें आस-पास के गांवों के समाजबंधु उपस्थित रहे। इसी दिन अहमदाबाद-गांधीनगर प्रांत की प्रांतीय बैठक भी आयोजित हुई। 15 अगस्त को शिविरार्थियों ने विद्यालय के बालकों के साथ मिलकर स्वतंत्रता दिवस भी मनाया। उत्तर गुजरात संभाग के मेहसाणा प्रांत में कमाना गांव में बालकों का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 12 से 15 अगस्त तक संपन्न हुआ। शिविर में पाटन, मेहसाणा, बनासकांठा, कच्छ, अरवल्ली प्रांतों के भैंसाना, कड़ा, भुनाव, जगन्नाथपुरा, बदलपुर, मोडासा, वडगाम आदि गांवों से 205 युवाओं ने प्रशिक्षण लिया। शिविर का संचालन करते हुए वनराजसिंह भैंसाना ने कहा कि हमने यहां जो भी ज्ञान हासिल किया यह हमारे जीवन में आना चाहिए। संभाग प्रमुख विक्रम सिंह कमाना सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। शिविर में दुगार्दास राठौड़ की जयंती भी मनाई गई। पाली के निकटवर्ती गौरी भाकरी बाला में दो दिवसीय बाल शिविर 13-14 अगस्त को आयोजित हुआ जिसमें बाला, डेण्डा, कूरना, मण्डली, हेमावास, थरासनी, सोनाई, मांझी, गिरवर, ढोला, गिरादरा, जवडिया, टेवाली, केरला, खैरवा आदि गांवों व पाली शहर से 137 बालकों ने प्रशिक्षण लिया। जालोर प्रान्त प्रमुख खुमान सिंह दुदिया ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने बालकों से कहा कि आपकी आयु भले ही छोटी है परन्तु संघ अभी से आप सब में नैतिकता और संघर्ष की भावना भरना चाहता है जिससे आप आने वाले समय में समाज और राष्ट्र के जिम्मेदार नागरिक बन सकें। शिविर में दुगार्दास जी की जयंती मनाई गई जिसमें प्रोजेक्टर के माध्यम से वीर दुगार्दास राठौड़ व महाराणा प्रताप जैसे वीरों की शौर्यगाथा दिखाई गई। भंवर सिंह साठिका, नरेंद्र सिंह बधाल, दलपत सिंह, भरत सिंह भाखरी, लक्ष्मण सिंह गिरवर, जगतपाल सिंह बाला आदि ने व्यवस्था में सहयोग किया। बच्चों में क्षत्रियोचित संस्कारों के निर्माण के लिए चित्तौड़गढ़ स्थित जौहर भवन में भी दो दिवसीय बाल शिविर का आयोजन 20-21 अगस्त को हुआ जिसमें केन्द्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। शिविर में चित्तौड़गढ़ जिले के 130 से अधिक बालकों ने भाग लिया। शिविर में बच्चों को वंदना, व्यायाम, क्रीडा, हवन आदि विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अनुशासन व ईमानदारी को अपने जीवन में धारण करने की बात सिखाई गई। शिविरार्थियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से संघ की कार्यप्रणाली तथा ज्ञानवर्धक ऐतिहासिक वीडियो भी दिखाए गए।

स्वार्थ के लिए... (पष्ठ एक से लगातार)

इससे पूर्व कार्यक्रम की भूमिका बताते हुए श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने कहा कि पूज्य श्री तन सिंह जी ने भारतीय संस्कृति के मूल्यों को भारतीय समाज में पुनर्स्थापित करने के उद्देश्य से श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना की थी। भारतीयता विखंडन की बात नहीं करती, जोड़ने की बात करती है। भारत में जातियां सदैव से रही हैं लेकिन जातिवाद कभी भी नहीं रहा, किंतु अन्य संस्कृतियों के संपर्क में आने के कारण हमारे समाज में भी जाति, पंथ, पूजा पद्धति आदि के आधार पर विखंडन पैदा हुआ। उसी विखंडन के कारण आज हमारा समाज बिखराव के कगार पर आ गया है। जो सदियों से साथ रहते आए हैं, उन्हें आपस में शत्रु बनाने का प्रयास राजनैतिक निहित स्वार्थों द्वारा किया जा रहा है, यह हम सभी के लिए चिंतनीय है। श्री क्षत्रिय युवक संघ भारतीयता को इस विखंडन को, इस क्षरण को रोकने का कार्य विभिन्न उपक्रमों के माध्यम से कर रहा है। उसका प्रयास है कि समाज में उन तत्वों को उभारा जाए जो हम सब लोगों को जोड़ते हैं, उन तत्वों को पुष्ट किया जाए जो हम सब लोगों को साथ चलने के लिए प्रेरित करते हैं। ऐसा ही एक विषय है - कृषि और किसान, जो हम सब लोगों को जोड़ता है। इसीलिए संघ के आनुषंगिक संगठन श्री प्रताप फाउंडेशन ने किसान सम्मेलनों की यह श्रृंखला प्रारंभ की है और इसके माध्यम से किसान शब्द के भीतर समाए हुए जोड़क तत्व को पुष्ट और उद्घाटित करने का प्रयास कर रहा है। हमारे गांवों की प्रत्येक जाति कृषि से किसी न किसी रूप में जुड़ी हुई है, इसलिए पूरे समाज को जोड़ने वाला कोई व्यवसाय है तो वह कृषि ही है। यह ऐसा विषय है जिसे लेकर हम सभी साथ बैठ सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्य की बात है कि आज हमारे सभी समाजों में आपसी संवाद समाप्त हो गया है, इसलिए किसी छोटी सी बात पर भी हममें भारी विभेद पैदा हो जाता है। संवादहीनता के कारण समाजों में पनपी इस दूरी का उपयोग स्वार्थी राजनेताओं और अन्य असामाजिक तत्वों द्वारा कर लिया जाता है। श्री प्रताप फाउंडेशन इन आयोजनों के माध्यम से इस दूरी को समाप्त करने और हमें आपस में जोड़ने का प्रयत्न कर रहा है साथ ही किसानों को संगठित करके किसान और कृषि के हित में नीति-निर्धारण हेतु नीति निमार्ताओं के साथ संवाद का मंच तैयार करने का भी प्रयत्न कर रहा है। विप्र फाउंडेशन के भंवर पुरोहित, भगवानाराम मेघवाल, सलीम भाटी, जीव रक्षा बिश्नोई सभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिवराज बिश्नोई, दलित नेता सीताराम नायक, पूर्व यूटीआई चेयरमैन महावीर रांका, बीजेपी एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष मांगीलाल मेघवाल, चेतन राम गोदारा, अशोक कुमार बोबरवाल, घनश्याम गहलोत, डॉ कुलदीप बिठू आदि वक्ताओं ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने श्री प्रताप फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित होने पर सहयोग का आश्वासन दिया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक भरत सिंह सेरूणा ने मांग पत्र का वाचन किया। कार्यक्रम में जिले के सभी जाति समाजों के प्रतिनिधि एवं हजारों लोग उपस्थित हुए। कार्यक्रम के बाद 15 सूत्रीय मांग पत्र सर्वसम्मति से सरकार के नाम जिला प्रशासन को दिया गया।

सर्व समाज ने किया खेल प्रतिभाओं का सम्मान

सीकर में सांवलोदा लाड़खानी की खेल प्रतिभाओं के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें सर्व समाज द्वारा राज्य स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले दीपेंद्र सिंह शेखावत तथा अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल टीम में चयनित पूजा गौड़ को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक बृजेंद्र सिंह सांवलोदा ने बताया कि कार्यक्रम में पूर्व विधायक धोद गोवर्धन वर्मा, बाबू सिंह बाजोर, राम सिंह पिपराली, श्री क्षत्रिय युवक संघ के सीकर प्रांतप्रमुख जुगराज सिंह जुलियासर सहित अनेकों गणमान्य समाज बंधु उपस्थित रहे।

श्री प्रताप फाउंडेशन का चिंतन शिविर और संपर्क यात्रा संपन्न

श्री प्रताप फाउंडेशन का एक दिवसीय चिंतन शिविर 14 अगस्त को राजसमंद स्थित रामेश्वर महादेव मंदिर में संपन्न हुआ जिसमें उदयपुर एवं राजसमंद जिले से विभिन्न संवैधानिक संस्थाओं में लोकतांत्रिक पद्धति से चुने गए जनप्रतिनिधि (भूतपूर्व एवं वर्तमान), राजनीतिक दलों के संगठनों के पदाधिकारी (भूतपूर्व एवं वर्तमान) एवं उन दलों के राजनीतिक कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने फाउंडेशन के उद्देश्य व कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्था में हमें अपने समाज की भागीदारी को अधिकाधिक बढ़ाने की आवश्यकता है। शत प्रतिशत मतदान, राजनैतिक शुचिता और एकता, सभी समाजों और वर्गों को साथ लेकर चलने की आज अत्यंत आवश्यकता है। श्री प्रताप फाउंडेशन इनके लिए समाज को जागृत करने के लिए ऐसे चिंतन शिविरों का आयोजन कर रहा है। कार्यक्रम में भाजपा नेता तख्त सिंह, महेश प्रताप सिंह कोठारिया, कांग्रेस नेता गोविंद सिंह, शिक्षक नेता भोम सिंह, पूर्व जिला प्रमुख नारायण सिंह भाटी, राजसमंद प्रधान अरविंद सिंह, देवगढ़ प्रधान कुलदीप सिंह ताल सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। संभाग प्रमुख बृजराज सिंह खारड़ा भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। 22 अगस्त को नागौर संभाग के कुचामन प्रांत के विभिन्न गांवों में श्री प्रताप फाउंडेशन के तत्वावधान में संपर्क यात्रा का आयोजन हुआ। भगवान सिंह रसाल, राजेंद्र सिंह प्रेमपुरा, प्रताप सिंह लूणवा, दयाल सिंह कांकरा व अटल राज सिंह रसाल की टीम ने नावा विधानसभा क्षेत्र के गोविन्दी, चौसला, गुढासाल्ट, मूण्डघसोई, जाबदीनगर, लूणवा, देवली तथा मीण्डा ग्राम पंचायतों में संपर्क किया। संपर्क यात्रा के दौरान हर गांव में अलग-अलग मीटिंग की गई जिसमें राजपूत समाज के हर घर की सदस्यों की गणना हेतु फॉर्म दिए गए। सभी जातियों की वोटरों की गिनती के लिए वोटर लिस्ट भी बनाई गई। सभी गांव में उपस्थित राजपूत बंधुओं के गोत्र, कुल, वंश और इतिहास की संपूर्ण जानकारी भी ली गई। राजपूत समाज की राजनीति में भागीदारी कैसे बढ़ें इस पर भी चर्चा की गई।

दुर्गादास... (पृष्ठ छह से लगातार)

विनोद सिंह नंगथला ने कहा कि हमें हमारे इतिहास और महापुरुषों को हमेशा याद करते रहना चाहिए। महेन्द्र सिंह चारनौन्द ने अपने पूर्वजों की जयंतियों को गांव गांव और घर घर मनाने की बात कही। कार्यक्रम में हिसार के आसपास के गांव चौधरीवास, अग्रोहा, नंगथला, तलवंडी रुक्का, सुंडावास, चारनौंद, लांधड़ी, चिकनवास, श्यामसुख, न्योली कलां, किरतान, उकलाना आदि गांवों से समाजबंधु उपस्थित रहे। संचालन अरविन्दसिंह बालवा ने किया। कार्यक्रम के लिए स्थानीय सहयोगी हरी सिंह मिठड़ी, संतोष सिंह लाखलान, नरेन्द्र सिंह खुड़ी, चरण सिंह गिडायना, संजय सिंह खुडाना ने गांव गांव जाकर सम्पर्क किया। अजमेर के सरवाड़ स्थित जोधाणा पैलेस में भी दुर्गा दास जी की जयंती मनाई गई जिसमें समता राम जी महाराज, राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष शिव सिंह राठौड़, प्रादेशिक परिवहन अधिकारी वीरेंद्र सिंह राठौड़ सहित समाजबंधुओं ने राष्ट्र नायक के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। इस दौरान प्रतिभा सम्मान समारोह एवं स्नेह भोज का भी आयोजन हुआ। लाडनूं सुजानगढ़ प्रांत के बीदासर मंडल में परावा ग्राम में दुगार्दास राठौड़ की जयंती 15 अगस्त को मनाई गई। रूपसिंह परावा ने वीरवर दुगार्दास राठौड़ का जीवन परिचय बताया। प्रांतप्रमुख विक्रम सिंह ढींगसरी ने कहा कि वीरवर दुगार्दास राठौड़ के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने कर्तव्य का पालन करें। उन्होंने इस वर्ष होने वाले श्री क्षत्रिय युवक संघ के आगामी शिविरों की जानकारी भी दी। राजपूत छात्रावास गुलाबपूरा में भी दुगार्दास राठौड की जयंती मनाई गई। इस दौरान पूर्व विधायक बनेड़ा ठाकुर पराक्रम सिंह को भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस दौरान राजपूत छात्रावास में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम के दौरान नया जोरावरपुरा में स्थित राजपूत छात्रावास के विकास एवं निर्माण के लिए कार्यकारिणी का गठन भी हुआ जिसमें पूर्व जिला परिषद सदस्य हनुमंत सिंह लांबा को अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

नरेंद्र सिंह तोगावास को पितृशोक

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक नरेंद्र सिंह तोगावास के पिता **श्री गुमान सिंह जी** का देहांत 16 अगस्त 2022 को हो गया। पथप्रेरक परिवार परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि वे दिवगंत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देवें एवं शोक संतप्त परिजनों को संबल प्रदान करें।

श्री गुमान सिंह जी

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी
एवं हमारे स्वयंसेवक साथी

श्री कृष्ण सिंह राणीगांव

को जिला
शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक, मुख्यालय बाड़मेर
के पद पर पदस्थापित होने की हार्दिक बधाई
एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

शुभेच्छु

चन्दन सिंह थोब	राण सिंह टापरा	पदम सिंह भाऊडा	परबत सिंह जाजवा	मूल सिंह चांदेसरा	मूल सिंह जानकी
हरि सिंह थोब	बलवंत सिंह दाखां	विशन सिंह चांदेसरा	आशु सिह जुंढ	सुरेंद्र सिंह भागवा	बालू सिंह खेड़ा
हरिसिंह रेवाड़ा जैतमाल	सवाई सिंह साथुनी	हीर सिंह कालेवा	हितेंद्र सिंह सिंधास्वा चौहान	लाखसिह कांखी	उदय सिंह तिलवाड़ा
जय सिंह पारलू	किशनसिंह वरिया	हरि सिंह मोखण्डी	जोगसिंह नोसर	उदयसिंह साजियाली	मांगू सिंह वरिया
भीमकरण बागावास	सवाई सिंह टापरा	रूप सिंह परेऊ	प्रेम सिंह परेऊ	खीम सिंह खेजड़ियाली	रिड़मलसिंह इंद्राणा
सुमेर सिंह कालेवा	वीर सिंह इंद्राणा	भगवत सिंह चिरड़िया	प्रवीण सिंह सिणधरी	डूंगर सिंह चांदेसरा	राजू सिंह जाजवा
उम्मेद सिंह पादरू	श्रवण सिंह साजियाली	भैरू सिंह डंडाली	करण सिंह दूधवा	गोविंद सिंह पांयला	धन सिंह पिण्डारण

एवं समस्त कर्मचारी साथी, श्री क्षत्रिय युवक संघ, संभाग- बालोतरा

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org